मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–025

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.एस.के.टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.-025 : लौकिक संस्कृत साहित्य में विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर किसी एक भाषा हिन्दी* ***या*** *संस्कृत* ***या*** *अंग्रेजी में ही हों।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।* 3×20=60

1. 'रामायण' में वर्णित वनस्पति विज्ञान तथा कृषि विज्ञान की विस्तृत रूप से विवेचना कीजिए।

2. 'महाभारत' में वर्णित पर्यावरण विज्ञान का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. 'बृहत्त्रयी' में वर्णित मनोविज्ञान का सविस्तार वर्णन कीजिए।

4. 'बौद्ध साहित्य' में वर्णित आयुर्विज्ञान के तत्त्वों पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

5. 'महाभारत' में वर्णित चिकित्सा विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

6. 'रामायण' में वर्णित रथादि निर्माण विद्या को समझाते हुए पुष्पक विमान की अवधारणा का सविस्तार वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. 'रामायण' में वर्णित पर्यावरण विज्ञान को समझाइए।

8. 'महाभारत' में वर्णित नक्षत्र विज्ञान पर प्रकाश डालिए।

9. 'रामायण' में वर्णित ज्योतिष विज्ञान के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

10. 'बृहत्त्रयी' में वर्णित पर्यावरण विज्ञान के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

11. 'बौद्ध साहित्य' में वर्णित मूर्तिकला के साक्ष्यों का वर्णन कीजिए।

12. 'बौद्ध साहित्य' में वर्णित पर्यावरण विज्ञान पर प्रकाश डालिए।

13. महाभारतकालीन वास्तु विज्ञान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

14. रामायणकालीन शल्यतंत्र चिकित्सा विज्ञान पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×